सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जयशंकर प्रसाद	३५ अंक
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	३० अंक
व्यावहारिक हिन्दी	१५ अंक
व्याकरण	१० अंक

खण्ड क ध्रुवस्वामिनी
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का प्रतिपाद्य
२ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की पात्र योजना
३ 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की अभिनेयता
४ प्रसाद की नाट्यकला

खण्ड ख हिन्दी साहित्य का आदिकाल
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा
२ आदिकाल का नामकरण
३ आदिकाल की परिस्थितियॉं
४ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियां
५ रासो काव्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय

खण्ड ग व्यावहारिक हिन्दी
पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

I

१ भाषा की परिभाषा
२ भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा
३ मानक–भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियॉं
४ हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन
५ हिन्दी वर्तनी : समस्या और समाधान

II

१ पत्र लेखन : सिद्धांत एवं प्रकार : परिपत्र, अनुस्मारक, कार्यालय आदेश, प्रैस विज्ञप्ति, विज्ञापन, आवेदन

III **व्याकरण**

पाठ्यक्रम में निर्धारित विपय

१ वाक्य एवं वर्तनी की शुद्धि

२ मुहावरे एवं लोकोक्तियां

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या छः अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न दस अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न दस अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से पांच लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न बारह अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित प्रथम उपखण्ड में से कोई चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

७ खण्ड (ग) के द्वितीय उपखण्ड में निर्धारित पत्रों के विविध प्रकारों में से किन्हीं दो पर पत्र–लेखन हेतु विषय दिया जाएगा । परीक्षार्थी को इनमें से किसी एक विषय पर पत्र लिखना होगा । यह प्रश्न पॉच अंक का होगा ।

८ खण्ड (ग) के तृतीय उपखण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम में से परीक्षार्थी से दो प्रश्न पूछे जाएंगे ।पहले प्रश्न में परीक्षार्थी को दिए गए आठ अशुद्ध शब्दों एवं वाक्यों में से किन्हीं पांच को शुद्ध करके लिखना होगा । दूसरे प्रश्न में आठ मुहावरे/लोकोक्तियों में से किन्हीं पॉच का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयुक्त करना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच–पांच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । इसके अन्तर्गत खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से पॉच तथा खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १३ अंक का होगा ।

सत्र २०१०-२०११ से प्रभावी
बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- द्वितीय सेमेस्टर (अनिवार्य हिन्दी) की
  मध्यकालीन हिन्दी–कविता पर केन्द्रित पाठ्य पुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ कर लिया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक का हिन्दी विभाग तैयार करेगा । इसके संपादन का दायित्व डॉ० रामसजन पाण्डेय को दिया जाता है और अपेक्षा की जाती है कि वह द्वितीय सेमेस्टर (जनवरी, २०११) के प्रारम्भ होने से लगभग एक महीने पहले प्रकाशित होकर बाजार में आ जाए ।

- प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की प्रतिनिधि रचनाओं/छंदों/अवतरणों को सम्मिलित किया जाएगा –१ कबीरदास २ सूरदास ३ तुलसीदास ४ मीराँबाई ५ बिहारी ६ घनानन्द ७ रसखान

  ३५ अंक

  - हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल ३० अंक
  - काव्यशास्त्र २५ अंक

खण्ड (क) मध्यकालीन हिन्दी कविता-संकलन

- पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि
  कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीरांबाई, बिहारी, घनानंद, रसखान

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर की सामाजिक चेतना
२ सूरदास का वात्सल्य–वर्णन
३ तुलसीदास की भक्तिभावना
४ मीरांबाई की प्रेम–साधना
५ बिहारी का शृंगार वर्णन
६ प्रेम की पीर के कवि घनानंद
७ रसखान का काव्य–सौन्दर्य
८ पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी कवियों का साहित्यिक परिचय
६ पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी कवियों की काव्य–कला

खण्ड (ख) हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्तिकाल की परिस्थितियॉं

२ संत काव्य की प्रवृत्तियॉं

३ सूफी काव्य की प्रवृत्तियॉं

४ राम काव्य की प्रवृत्तियॉं

५ कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियॉं

६ भक्तिकाल : स्वर्णयुग

खण्ड (ग)

१ काव्य के तत्व

२ रस : स्वरूप और अंग

३ रस के भेद

४ अलंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, सन्देह, रूपकातिशयोक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति, व्यतिरेक

छंद–दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियां, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी

शब्दशक्तियॉं : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

काव्य–गुण : प्रसाद, माधुर्य और ओज

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या छः अंक की होगी । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से कोई दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न दस अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे

जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न आठ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न दस अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से पांच लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न बारह अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न ५ अंक का तथा पूरा प्रश्न १५ अंक का होगा ।

७ इसी खण्ड में निर्धारित पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिप्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न दस अंक का होगा ।

८ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । इसके अन्तर्गत खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से पॉच तथा खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १३ अंक का होगा ।